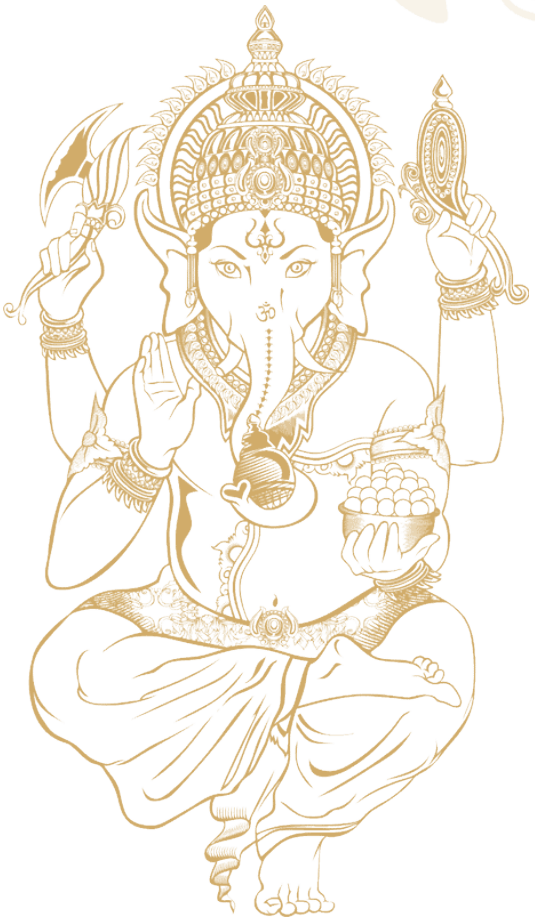

Abhisekh

Kushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121535503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/03/2000	जन्म तिथि	30/12/2002
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 16:58:00	जन्म समय	21:58:00 घंटे
घटी 26:22:06	जन्म समय(घटी)	36:57:59 घटी
India	देश	India
Bulandshahr	स्थान	Aligarh
28:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:54:00 उत्तर
77:49:00 पूर्व	रेखांश	78:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:44	स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:25:09	सूर्योदय	07:08:28
18:28:48	सूर्यास्त	17:31:59
23:51:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 6मा 6दि	15:10:23	सिंह	लग्न	सिंह	13:09:35	शनि 18वर्ष 10मा 30दि
सूर्य	04:19:03	मीन	सूर्य	धनु	14:54:09	बुध
23/09/2020	12:20:49	सिंह	चंद्र	वृश्चि	03:23:31	30/11/2021
24/09/2026	02:46:06	मेष	मंगल	तुला	24:49:34	30/11/2038
सूर्य 11/01/2021	09:33:09	कुंभ	बुध	मक	03:44:03	बुध 27/04/2024
चन्द्र 13/07/2021	12:21:03	मेष	गुरु व	कर्क	23:06:17	केतु 25/04/2025
मंगल 17/11/2021	12:18:50	कुंभ	शुक्र	तुला	28:33:09	शुक्र 23/02/2028
राहु 12/10/2022	20:10:27	मेष	शनि व	मिथु	00:39:11	सूर्य 30/12/2028
गुरु 31/07/2023	08:30:05	कर्क व	राहु	वृष	14:35:13	चन्द्र 31/05/2030
शनि 12/07/2024	08:30:05	मक व	केतु	वृश्चि	14:35:13	मंगल 28/05/2031
बुध 19/05/2025	25:11:55	मक	हर्ष	कुंभ	02:18:38	राहु 15/12/2033
केतु 24/09/2025	12:01:27	मक	नेप	मक	15:37:29	गुरु 22/03/2036
शुक्र 24/09/2026	19:02:37	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	24:20:14	शनि 30/11/2038

लग्न-चलित

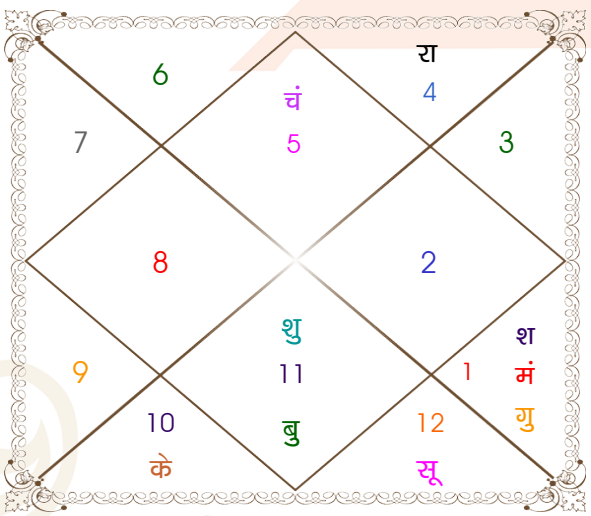

लग्न-चलित

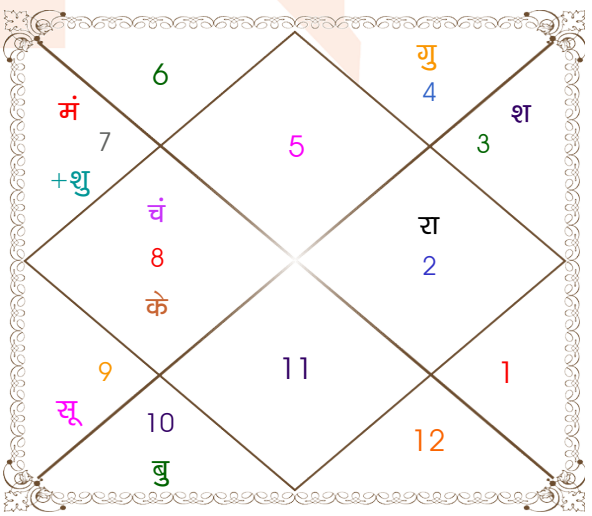

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

ाड़ीपेमाी का वर्ग मूषक है तथा Kushi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ाड़ीपेमाी और Kushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ाड़ीपेमाी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Kushi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ाड़ीपेमाी तथा Kushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।